PCSMANTRA.COM | 17 NOVEMBER 2026

जनगणना 2027: धर्म-कॉलम का उलझा सवाल और स्व-गणना की शुरुआत



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

खबरों में क्यों

द हिन्दू की 16 नवंबर 2026 की रिपोर्ट के अनुसार, जनगणना 2027 की जनसंख्या-गणना चरण के लिए स्व-गणना पोर्टल (se.census.gov.in - जहाँ नागरिक खुद अपनी जानकारी भर सकते हैं) चार राज्यों - उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा और पंजाब - के लिए शुरू हुआ। इन्हीं राज्यों में 2027 में विधानसभा चुनाव हैं; शेष देश के लिए पोर्टल जनवरी 2027 में खुलेगा। उसी दिन धर्म से जुड़े प्रश्न के 'Others' (अन्य) विकल्प में 287 नामों की ड्रॉप-डाउन सूची दिखी, जिस पर विवाद उठा; सूचना मिलने पर गृह मंत्रालय से पूछताछ के बाद यह ड्रॉप-डाउन सूची उसी दिन हटा दी गई।

पोर्टल पर क्या दिखा और क्या हुआ

- **सूची में क्या था:** छह प्रमुख धर्मों - हिंदू, मुस्लिम, ईसाई, सिख, बौद्ध, जैन - के अलावा 'Others' में 'ISKCON', 'रामकृष्ण परमहंस', 'सनातन', 'बाल्मीकि', 'बिष्नोई', 'सरना', 'तांत्रिक', 'शिया', 'सुन्नी', 'गोरख नाथ', 'बसवेश्वर', 'देव समाज' जैसे 287 विकल्प थे। इनमें कई नाम ऐसे थे जिन्हें पहले की जनगणनाओं में प्रमुख धर्मों के भीतर के सम्प्रदाय या 'अन्य धर्म और सम्प्रदाय' (ORP) के रूप में दर्ज किया गया था, और कुछ नाम पहले कभी दर्ज नहीं हुए थे।
- **आधिकारिक स्पष्टीकरण:** महारजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त (RG&CCI) के प्रतिनिधि ने कहा कि छह प्रमुख धर्मों के अलावा 'Others' श्रेणी में उत्तरदाता पहले की जनगणनाओं की तरह कोई भी धर्म लिखने के लिए स्वतंत्र है, और यह कहना "गलत है कि उल्लेखित शब्दों को अन्य धर्मों के रूप में दिखाया गया था"। एक अधिकारी के अनुसार ये नाम वर्तनी-गलतियों से बचने के लिए "भविष्यसूचक पाठ प्रविष्टियाँ" (predictive text entries - टाइप करते ही नाम स्वतः पूरा करने वाली सूची) के रूप में तैयार किए गए थे; ये ड्रॉप-डाउन में कैसे दिखे, इसकी जाँच की जा रही है।

जनगणना 2027 के मुख्य तथ्य

- **लंबे अंतराल के बाद:** अंतिम जनगणना 2011 में हुई थी; यह छह वर्ष की देरी से हो रही है।
- **तीन पहली बार:** यह भारत की पहली डिजिटल जनगणना, स्वतंत्र भारत की दशकीय जनगणना में पहली बार सभी जातियों की व्यापक गणना और पहली बार स्व-गणना की सुविधा है।
- **जाति के लिए खुला कॉलम:** RG&CCI ने जाति-गणना के लिए खुला कॉलम रखने का निर्णय लिया है; अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की सूचियों के अलावा सभी जातियों की कोई एकल आधिकारिक सूची न होना इसका कारण बताया गया है।
- **40 प्रश्न:** जनसंख्या-गणना चरण के 40 प्रश्न 14 अगस्त को अधिसूचित हुए, जिनमें 13 प्रश्न या डेटा-क्षेत्र पहली बार जोड़े गए - जैसे जीवनसाथी का नाम, राष्ट्रीयता, माता-पिता का विवरण, डिजिटल साक्षरता, स्थायी पता, कोविड-19 टीकाकरण का स्थान, बैंक खातों की संख्या, पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस तथा मोबाइल, आधार और मतदाता पहचान-पत्र संख्या (यदि उपलब्ध हो)।

धर्म-वर्गीकरण का इतिहास और सरना माँग

भारतीय जनगणना में धर्म के सात मुख्य वर्ग रहे हैं; 2001 और 2011 में प्रमुख धर्मों के सम्प्रदायों और ORP प्रविष्टियों का वर्गीकरण गणना पूरी होने के बाद किया गया था। इसी से जुड़ी एक लंबित माँग है: झारखंड, छत्तीसगढ़, उड़ीसा और पश्चिम बंगाल की आदिवासी जनजातियाँ सरना सहित अपनी आस्थाओं के लिए अलग धर्म-कॉलम की माँग करती रही हैं, क्योंकि उनका कहना है कि उनकी आस्था हिंदू धर्म से भिन्न है। 287-नामों वाली सूची के दिखने और हटने की घटना इसी संवेदनशीलता को दर्शाती है: वर्गीकरण का फैसला केवल तकनीकी नहीं, सामाजिक और नीतिगत भी है।

आगे की राह

पोर्टल की जाँच रिपोर्ट आने के बाद मानक स्पष्ट होंगे। परीक्षा की दृष्टि से ध्यान रखें: स्व-गणना चरण-वार शुरू हो रहा है, जाति-गणना खुले कॉलम से होगी, और धर्म-प्रश्न की अंतिम रूपरेखा RG&CCI की आधिकारिक सूचना से ही तय होगी।

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1. जनगणना 2027 के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन 1: यह भारत की पहली डिजिटल जनगणना है
कथन 2: इसमें स्वतंत्र भारत की दशकीय जनगणना में पहली बार सभी जातियों की व्यापक गणना की जाएगी
कथन 3: इसमें स्व-गणना की कोई व्यवस्था नहीं है

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर और व्याख्या

सही उत्तर: (a)

कथन 1: सही - जनगणना 2027 पहली डिजिटल जनगणना है
कथन 2: सही - इसमें स्वतंत्र भारत की दशकीय जनगणना में पहली बार सभी जातियों की व्यापक गणना शामिल है
कथन 3: गलत - पहली बार स्व-गणना पोर्टल की सुविधा दी गई है

प्रश्न 2. हालिया चर्चा में रहे जनगणना स्व-गणना पोर्टल के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन 1: यह पोर्टल इस हालिया चरण में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा और पंजाब के लिए शुरू हुआ
कथन 2: धर्म-प्रश्न में छह प्रमुख धर्मों के अलावा 'Others' श्रेणी रखी गई है
कथन 3: जनसंख्या-गणना चरण के प्रश्नों की अधिसूचना महारजिस्ट्रार जनरल और जनगणना आयुक्त जारी करता है

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर और व्याख्या

सही उत्तर: (d)

कथन 1: सही - पोर्टल 16 नवंबर 2026 को इन चार चुनावी राज्यों के लिए खुला; शेष देश जनवरी 2027 में
कथन 2: सही - छह प्रमुख धर्मों के अतिरिक्त 'Others' श्रेणी है, जहाँ उत्तरदाता स्वयं लिख सकता है
कथन 3: सही - 40 प्रश्नों की अधिसूचना RG&CCI ने 14 अगस्त को जारी की

संबंधित लेख (आंतरिक लिंक)

- जाति जनगणना 2027: ~40 प्रश्न अधिसूचित, खुली गणना की चुनौतियाँ
- डिजिटल जनगणना: तेज निगरानी से आगे आँकड़ों की गुणवत्ता

स्रोत

- द हिन्दू की रिपोर्ट: जनगणना पोर्टल पर 'अन्य' धर्मों की सूची और उसका हटना (16 नवंबर 2026)
- जनगणना स्व-गणना पोर्टल (RG&CCI)
- Business Standard: comprehensive caste enumeration since 1931, 14 August 2026

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQ)

संक्षिप्त उत्तर: 16 नवंबर 2026 को जनगणना 2027 का स्व-गणना पोर्टल चार राज्यों के लिए खुला; धर्म-प्रश्न के 'Others' में दिखी 287-विकल्प सूची विवाद के बाद उसी दिन हटा दी गई।

प्रश्न: जनगणना 2027 की 'पहली बार' वाली विशेषताएँ क्या हैं?

यह भारत की पहली डिजिटल जनगणना है, इसमें स्वतंत्र भारत की नियमित दशकीय जनगणना में पहली बार सभी जातियों की व्यापक गणना प्रस्तावित है (SC/ST की गणना पहले भी होती रही है) और पहली बार स्व-गणना की सुविधा दी गई है। अंतिम जनगणना 2011 में हुई थी, यानी यह छह वर्ष की देरी से हो रही है।

प्रश्न: स्व-गणना पोर्टल कब और किन राज्यों के लिए शुरू हुआ?

16 नवंबर 2026 को उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा और पंजाब के लिए - यही वे राज्य हैं जहाँ 2027 में विधानसभा चुनाव हैं। शेष देश के लिए पोर्टल जनवरी 2027 में खुलेगा।

प्रश्न: 'Others' धर्म सूची का विवाद क्या था और आधिकारिक स्पष्टीकरण क्या मिला?

छह प्रमुख धर्मों के अलावा 'Others' में 'ISKCON', 'सनातन', 'सरना', 'बिष्नोई', 'शिया', 'सुन्नी' समेत 287 नामों की ड्रॉप-डाउन सूची दिखी, जो गृह मंत्रालय से पूछताछ के बाद उसी दिन हटा दी गई। RG&CCI के प्रतिनिधि ने कहा कि उत्तरदाता पहले की जनगणनाओं की तरह कोई भी धर्म लिखने के लिए स्वतंत्र है; एक अधिकारी के अनुसार ये नाम वर्तनी-गलती रोकने के लिए "भविष्यसूचक पाठ प्रविष्टियाँ" (predictive text entries) थे, और ड्रॉप-डाउन में दिखने की जाँच हो रही है।

प्रश्न: जनसंख्या-गणना चरण के प्रश्नों में क्या नया जुड़ा है?

14 अगस्त को 40 प्रश्न अधिसूचित हुए, जिनमें 13 प्रश्न या डेटा-क्षेत्र पहली बार जोड़े गए - जीवनसाथी का नाम, राष्ट्रीयता, माता-पिता का विवरण, डिजिटल साक्षरता, स्थायी पता, कोविड-19 टीकाकरण का स्थान, बैंक खातों की संख्या, पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस तथा मोबाइल, आधार और मतदाता पहचान-पत्र संख्या (यदि उपलब्ध हो)। जाति-गणना खुले कॉलम से होगी।